रसूल हमज़ातफ़ जन्म शताब्दी पर ... रूसी ग्रन्थमाला : पुस्तक सतरह

МОЙ ДАГЕСТАН
100
НАШ РАСУЛ
1923-2023

रसूल हमज़ातफ़ की कविताएँ

अनुवाद

मदनलाल 'मधु' • फ़ैज़ अहमद 'फ़ैज़' • सुरेश सलिल • साबिर सिद्दीक़ी • श्रीविलास सिंह • प्रगति टिपणीस • रमेश कौशिक • अनिल जनविजय • रामनाथ व्यास परिकर

रूसी ग्रन्थमाला के सम्पादक : अनिल जनविजय

रसूल हमज़ातफ़ की कविताएँ

रसूल हमज़ातफ़ की कृति 'मेरा दग़िस्तान' पढ़कर

रसूल हमज़ातफ़ का कहना है–

आदमी को सबसे पहले
अपनी दो चीज़ें बचानी चाहिए
अपना नाम और अपनी टोपी

अपना नाम वह बचा सकता है–

जिसके सीने में आग हो
और अपनी टोपी वह बचा सकता है
जिसकी टोपी के नीचे सिर हो।

–राजा खुगशाल

रूसी ग्रन्थमाला : पुस्तक सत्रह
रूसी ग्रन्थमाला के सम्पादक : अनिल जनविजय

МОСКВА 94

रसूल हमज़ातफ़ की कविताएँ

संपादन
अनिल जनविजय

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

अनुवाद © अनुवादक

आवरण © अनुज्ञा बुक्स

पुस्तक-सज्जा © अनुज्ञा बुक्स

प्रथम संस्करण : 2024

ISBN 978-81-19878-50-5

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032

e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com

फोन : 011-45506552, 7291920186, 9350809192

www.anuugyabooks.com

मुद्रक

अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली-32

POETRY OF RASOOL GAMZATOV ***Translated into Hindi edited by Anil Janvijay***

अनुक्रम

भूमिका 7

- मदनलाल मधु के अनुवाद 15
- फ़ैज़ अहमद 'फ़ैज़' के अनुवाद 39
- सुरेश सलिल के अनुवाद 53
- साबिर सिद्दीक़ी के अनुवाद 63
- श्रीविलास सिंह के अनुवाद 71
- प्रगति टिपणीस के अनुवाद 101
- रमेश कौशिक के अनुवाद 137
- अनिल जनविजय के अनुवाद 141
- रामनाथ व्यास परिकर के अनुवाद 145